

कलसला वरु यः स्वसि कान ॥ निर्मिच्छु न ॥ बलि ॥ बृध या यया न स्व न द
कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥
याव ॥ याव ॥ याव ॥ याव ॥ याव ॥ याव ॥ याव ॥ याव ॥ याव ॥ याव ॥
नी ॥ नी ॥ नी ॥ नी ॥ नी ॥ नी ॥ नी ॥ नी ॥ नी ॥ नी ॥
दक्षि ॥ दक्षि ॥ दक्षि ॥ दक्षि ॥ दक्षि ॥ दक्षि ॥ दक्षि ॥ दक्षि ॥ दक्षि ॥ दक्षि ॥
वलि न ॥ य ॥ य ॥ य ॥ य ॥ य ॥ य ॥ य ॥ य ॥ य ॥ य ॥
निय के ॥ कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥ कल मी ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कत्र भर्जन विधि लिखित ॥ यत्नमानः ना
सि रक्त ॥ यत्न नतवक्तः स्नान न कुवक्तः धृति बुद्ध्या दावतय क
॥ यत्नमान न स्नान कत्रा हा क जान कावतः के मे याय ॥ ॐ ज्ञादि
॥ यत्नमान स्यात् ॐ मुक्त स्यात् हला न्नया सु व क ल भर्जन निमित्तार्थ ॥
वा ॐ ॥ ॐ मा दा न्न का ल म ग्न नां ज ना नां ज्ञान त्रिभि र्दि ॥ कृत म
द्व तर्प यत न नो मि नि व रा म्भ र ॥ हा म्भ रा यत्न ध्यान म ॥ स्नान रु दि

ला हा ज्ञः धन पि स्यात् ॥ ॐ सिद्धि व सु क्रिया ल भूः वृद्धि व सु
धना युषा पृष्टि व सु जग्री व सु भक्ति व सु गृह त वा सर्व विघ्न य
जामने सर्व भक्ति क वं लु रं ॥ आ यत्न पूर्ण व काम भू ल क्का युष्टि
विव द्ध न ॥ यथा वा न व हा मा र्ग क व रं ह व न र्ग ॥ तत्त दे व विद्या
गर्गा भक्ति वृत्त वान र्ग ॥ यत्न माना स्यात् ॐ मुक्त स्यात् हला न्न क लः
भर्ज ए निमित्तार्थ ॥ हा ज्ञान न न मा मु न ॥ क जा रु हि ल व हा यत्न म्भ

नमो ॥ ॐ श्रु श्रा दि ॥ सुत्र नम स्का त ॥ न्यां सा र्व वा उ पूजाः ॥ आ न य
 जा ॥ न ना द्वा ना र्व र्ण ॥ ॥ ॐ त त्वा जा या मि व द्वा ना व न्ध मा न म दाः
 म मु य उ मा ना वि वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥
 द म्वा ला ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥
 न स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥

या अ स्मा न्मा त ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥
 दि त्रि यं य व द्वा ना र्व र्ण ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥
 म्वा ला ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥
 त स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥
 ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥
 य म्वा ला ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥ ॐ द त म्वा ला स वि ॥

न न सो खल हां म् ॥ ३ ॥ न्ना नाय वि वि ना रु वा नृ द्वा नि व श
नि। य द्वा न ४ ग म् ४ ४ य ॥ ३ ॥ य न य न्ना सं वि न ४ य द्वा नि न ग व
४ रु द्वा ना नृ नि द्वा। ग हि नो नृ द्वा य वि रि ४ मृ। ग हि व का वः
ना नृ वि र वृ हि द व ॥ ३ ॥ न्ना मि न्ने वि न्द रु वि रि या हि म य न ना मः
हि ४ मा त्वा क वि नि य म ग्नि न या नि ना कि ध न्द व ना १ ० ० हि ॥ ३ ॥
द ना दे वा न ल स वि ष्य व ना द ध न्द नृ। उ नृ द्वा य सा ध म्ना य स मा

ना ॥ ३ ॥ व त्वा वि न्द ग्ना य नृ या दा द्वा ना र्ध स क द्वा सा नृ म्ना। गि ध
व द्वा वृ ष ना ना न वा नि म द्वा द वा म ल्वा न्ना वि र्व ग्ना मि ॥ ३ ॥ य नृ न
म न उ नृ यं उ नृ धि या वि पा वि यु म्ना वृ ना वि प वि ष्य ७ वि द्वा ना द ध व
य ना वि द क ० न्ना हि द व म्ना स वि तु ४ य वि कृ नि स्या दा ॥ ३ ॥ ० द वि
वृ वि र वृ म्ना ध नि द ध य द। म म्ना म्ना य ० म्ना ॥ ३ ॥ न्ना नि म्ना य
ना हि न य द्वा स द व म्ना उ। द्वा ना र्ध व न्ना ध म्ना ॥ ३ ॥ ० व त्वा ३ ॥ त्वा वा

४ युमिहिनासुलि लसकृत् कृत्तिसद न प्रमा दं सका यमुक लो कमा
वृह गजा गुगांशु प्रुको सुप्रस दो व दको पडं बुझ यज्ञा नं यथ
मं प्रलम्भा दसी मृग ४ सुप्रु जा कृष्ण आ व ४ मु वृक्ष उ यमा ज्ञु म्मा विः
सा ग म श्य यो निग दं देविषु विचक्रमं तु कानि द (ध
वदं। सुमृद म गाय वेमया रु वा य व न म ३ ४
क या य ३ व ग ना य व ३ य म क ३

जा मे ह सुगन्धि म्मु कि व व न मु उर्वा नृ क मि व व न्ध ना म्म शा म्म क्श य
मा म ता नृ य म्म क ३ क ३ म ह मु ग न्धि म्म मि वा द न मु उर्वा नृ क मि व
व न्ध ना दि ता म् क्श य मा मृग ४ उ हि व ल्ध व र्ध्म रु नी नी मु व र्ध्म व ज न म्म
ता। व ल्हा हि ने य यी ल आ जा त व दा ता म मा व द्हा ता व्म व द्हा ता
व दा ल क्मी र्म न सु ग म मि नी ॥ वृत्ति क न मा र्च नं ॥ त ता क ल ह सु त न
॥ य द्वा र्च नं ज न ना क ३ य स ज न क ३ र्त्त मा म ष त मा क ल सु र्म ॥ उ ३

[illegible]

यूनेसुठसुठ ॥ १ ॥ सुधसुठ सुठनस्मिन् विष्णु
धवायजमानसु ॥ २ ॥ दाना ॥ ३ ॥ वृद्धस्यने सुठि सुठनर्या सुठ्ठा द्यमद्य
सातिकुमुमदुने सुयद्यो नयद्वसामनयुजातनदस्मान्मुठवि
न (षदि विर्ण ॥ ४ ॥ सुन्नात्यविष्णुता ननेवाक्रम सुयिव ७ सुठैयय
४ सामं युजायति ॥ ५ ॥ सुठन सुठमिन्दिय विद्यान ७ सुठकर्मधस ४ सुठ्ठे
हो नुयमिदयया मर्ममधु ॥ ६ ॥ सुन्नादेवी नरि सुय सुठ्ठा सुठ्ठे सुठ्ठे

या जं या ज रि श व तु न ॥ ३ ॥ क या ना ज्ज ग आ रु व दू नि सु दा वृ ४ ५ ४ मु दा
 ४ क या न वि सु आ वृ ता ४ ५ ४ क र्त्तु कृ त्त्त न क त व य मा म य आ ष्ठ ४ ५ ४
 ४ म सु म्ब ह्नि न जा य त्ता ४ ५ ४ न आ ष्ठ मु द ना रु स मा म ४ ५ ४ ए नि य वृ ४ ५ ४
 ४ रु न्म न्द वा ना वि ष मि ष्वा ना व ने दि व ४ ५ ४ त ना वृ ४ ५ ४ द्वा दि द ग ली क या
 ४ वृ ४ ५ ४ जा या य ४ ५ ४ द्वा दि द ग ली क या ना य ४ ५ ४ द मा स र्ने न म ४ ५ ४ वृ ४ ५ ४
 म ४ ५ ४ ४ ५ ४ ता ल मि ४ ५ ४ ता ल मि न्द ४ ५ ४ वृ ४ ५ ४ वृ ४ ५ ४ वृ ४ ५ ४ वृ ४ ५ ४ वृ ४ ५ ४

यामिगर्भं कुरु
 यककृत्यमिष्टं
 नदत्तं प्रियं यनमायूनं नृन्दं यथमा
 सुनामगृह्णाम्नादत्तं वसो निनगम् ॥
 न्धवागैष्टी वासु रिचिन्तं न कवि
 धियुस्तु न नमा ॥ ॐ नमो नमो नमो

वमदया। त्वाममसुनावका। नवकायुदुह्यनलुमुजामानलडुग
शुभ्रया। मयावृणीमदं। उकुविदंजरयमनीयवशिष्टाधदायनपु
वैविपुयः॥ नूदुदुर्वाकुर्दिहाजनानियवादिमानमउकिंयज
कि। नमिमानैजगतमुषस्यनिधियंजित्वमवसुक्रमदुवयी। पृषाः
हमयथावयसाममरुदुधेनक्रितायायूनरुदयस्यसुय। उणिनि
यदाविरकमविदासी। जनाधर्मानिवालय। इवमग

स्यनेलमस्यजनेययवजित्वाविश्वजुदुवर्ननुद
वावृदुदुदमविना। नूतिनूडादिदशलाकवालाचनै।
उयपुलाकवा। दमासनेनमः४५५नमः४॥ उगनार्गत्वाग
नयनि४दुवामयानांत्वापिदुयानि४दुवामदुनिधिनान्त्वानिः
प्रियनि४दुवामदुवामममजुदुवनिगर्बुदमात्वमजासिकरुदं॥
उज्ज्वलुदिकेज्ज्मनिकेनमादयतिकस्थन४ससत्यसकमुरुडि

खेहिमस्या साहिवाहू किमूकपापाउद्यत ॥ उतमाऽमनजगत
 मुवस्यति पियडित्तमवसदू महवर्ष । दूषानासथावदमा
 मसदू (वेनद्विगायायूनददुसूक्तय ॥ ०००॥ नित्यपूरवकु ॥ थनकन
 मसदू ॥ नगासुगुहासुतन ॥ ०००॥ अमापिभूक्तविलविसु
 ०००॥ दमासुनन्मसदू ०००॥ अमापिभूक्तविलविसु
 ०००॥ दमासुनन्मसदू ०००॥ अमापिभूक्तविलविसु

[illegible]

नया वा दयिवाया नू वा र्थं वा या व द्वा कामा मग्नि वा अ
तु स्वाहा स्वाहा कुरुते दन रं समा नू न ग नू तं शा डं अय ० मुखम
हि ४ सरु र्कं नू समु ड ० वयु व गे स ए सा अ स्य म हि मा नू (६) स वा
व वि पु ना डा ४ पु जा वे न न ल द न न च भा वि ४ म नू वा नि व वि नू व रु
शय नू का मा रु रु दू म रु नू इ मु व य ० शा म व न यो न यी ना मू ॥ ३ ॥ स क
वि म य य नि रु वा स नि ल स क म रु नि रु स द न य मा द स का य स क नू क मी य

सु उ जा ग नू अ य ह प्र जो स उ स दौ व दं वा ॥ ३ ॥ व य ० सा मि व ग न व म न
म नू पू वि न ४ पु जा व न ४ स उ म हि ॥ ३ ॥ द वि कु या नू का नि रुं जि ल ल
सु व वा रु न ४ पु दा वि ना मू खा व थ अ य य रु खि ना म रि ४ ॥ ३ ॥ या ४ रु ली
नो या ४ मू रु ना नू पु स्या सि व स नि व रु स नि ॥ पु मु नू न म व नू ० द
म ॥ ३ ॥ व म रु द र्वा दि स्या नू डा व म रु ४ म मि नू ना य न व रु झा (६) म रु मू नी थ स
४ ॥ ३ ॥ व नू न व नू न व रु द य ४ म म रु स रु स रु मा स रु का मा ४ ॥ ३ ॥ व म ४ य

नमसिंह्या इत्येकं नमसिंह्या सा। नमसिंह्या ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 ॥ मुच्यति नियमः ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
 यत्र दानं तत्र विष्णु उक्तं नादहि यदसंयुक्तं ॥ ज्ञानाय विद ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
 दवा जायते वना निषिद्धम् ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥

नमः त्रिकोणकमुदलना ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
 सासं कुलिमाल ॥ ॥ कायकुरुसासाल ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
 जायाये ॥ नमो गायति ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
 मासुननमः पृथ्वी नमः ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
 प्रियवति ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
 जानिगदमात्मजा सिगदमा ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥

ॐ सुयन्तुर्वायुः प्रोक्ताः कथाः वा वायुना सुवः ॥ अंगन्यादि ॥ ॐ नित
ॐ ला प्रजाया या ॥ ततो एतन्मसु ॥ ॐ कथितादि यत्पु (अमा गुरुत्वा ॐ
ॐ दमा सुनमयुष्यै नमः ॥ ॐ अयं एतन्मसु नकुमा दशदमस्तनयं य
ॐ ४यितनयं पुत्रयत्तु ॥ ॐ अदि किं शो वदितिन नकुमदि न मां तास
ॐ यितासु यत्तु ॥ विष्णु देवा आदातव वज्रनामदिति कु नि ह्वम ॥ ॐ मान
ॐ ह्ना कृतनयमान मान ॥ अयं विमाना ॥ अयं वृषा विषः मानो द्वा यान

ॐ उरुमिना वधा रु विष्णु ॥ सु दमा ला रु वाम रु ॥ ॐ ॐ वला कु ला वा
ॐ यवसु देवा व ॥ सु विनाया र्वयत्तु ॥ रुत मायकर्म स ॥ आयाय धम
ॐ श्वा ॐ ला यरु गं पुजा वतीवनमा ॥ अयं कामवले न ॐ स न माय
ॐ स ॐ सा पुठा अस्मिन् एतन्मसु स्थातव द्वा र्वजमान एव गृ लादि ॥ ॐ
ॐ अस्मि मां पुत्रा हितं यत्तु देवम सु जं ॥ दाता व वले वरुम ॥ अंगन्या
ॐ दि ॥ ॐ नि एतन्मसु प्रजाया या ॥ ततो कोम वा प्रजाया या ॥ ॐ को मा वा वा न

× नम ३

वायमयु नाहा नाये नम प्रभ्यं नम ॥ ३ ॥ उक्तां नय च मे वरुणा द्वाहा
 मृत् । सुत्रा वन आव ॥ ४ ॥ सव द्वाउ यमा ॥ ५ ॥ विष्ठा ॥ ६ ॥ का नी मरुत
 श्वजी व ॥ ७ ॥ उं नरु वाय वमया रु वाय वनम ॥ ८ ॥ नक वाय वम य म्क वाय
 वनम ॥ ९ ॥ डि वाय वनि वन नाय व ॥ १० ॥ यउ वा ॥ ११ ॥ सु म्म न नि क्र मा वा
 वि सि खा यु वा न न ॥ १२ ॥ उा वृ रु म्म नि न दि ति ॥ १३ ॥ म्म य वृ उ वि म्म ला ग
 म्म य वृ उ ॥ १४ ॥ वि म्म न वा व न नि वि म्म ॥ १५ ॥ म्म य वृ उ वि म्म ॥ १६ ॥ म्म य वृ उ वि म्म ॥ १७ ॥

वासि। वेष्टुवमसिष्टिष्टुव ला। उं य स्य कूर्मा गृह्णुविस्तम (गुंव ह्य
 त्व। तस्मै दवा अविष्टुवन्नय पुरव अन्न स्य ति॥ उं नृ नृदवा विष्टम
 नृगानृवत्मानो रुवन् यत्थं दं दया विष्टम नृगानृवत्मानो रुवन्नु। उं
 जातवद (गृह्ण) हृद्याम शासम गानीयता निज हातिवद शासन यति व ताति
 दुष्मन्ति विष्टम नाव वसु नृद मिता वाग्नि। उं हृद नृद वत्ता नृद वत्ता
 नृद वत्ता नृद वत्ता नृद वत्ता नृद वत्ता नृद वत्ता नृद वत्ता नृद वत्ता नृद वत्ता

जात वेदा लक्ष्मी मनसु मानी ॥ अथ गन्तुं दि ॥ ॐ ति की मा नी वृजा वा
य ॥ ॥ ततो ई सा विष्ठा वृजा ॥ ई सु या दि हा भय ग ग न स वि वा ना य
ॐ द मा स न मः पुष्पी न मः ॥ ई श्री कृष्ण ति ॥ ई न मः ॥ ग म् व वा य व ॥ ई ॐ
द विष्णु विव क म ॥ ई ग ना भि ला ॥ ई न मा व कृ ग म य ॥ ई वि वा न् द वा ॥
ई न मा सु ग र्थ ला ॥ ई अ य या दान न न न न ॥ ई वृ ह स्य न् अ ति ॥ ई श्री
ग ल क्ष्मा ॥ ई या व का न ग न स ति ॥ ई वि ष्णु व कृ न ना ॥ ॐ ति ई वा वि वा

॥ ॥ गृता द द व लि वृजा ॥ ई जा ता वृ ष द वा द व ना य ॐ मा स
न मः ॥ ई अ कृ त् क म् क म् क न् ग म् व वा म या कृ वा ॥ द वे श्च १ क म्
कृ त्वा सु म्पे त स वा कृ व श ॥ ई दृ नै दृ न पा वा न ॥ ॐ ति द द व नि वृ
जा ॥ ॥ ततो अर्द्ध म ग्ना दि वृजा क ल स स ॥ ई मा सा दि व द्वा दि मृ ग्ग ला
ॐ द मा न न न पुष्पी न मः ॥ ई अर्द्ध मा सा य न् ॥ वि न मा मा अ न्नु नु म् म
तु ॥ अर्द्धा ना ग्ना वि म न्ना व कृ ॥ मु न य नि द ॥ ई अर्द्ध ४ व कृ ति द्वा यि

मृष्टं प्रष्टुं विद्यावत्त्वं न ॥ १ ॥ मृष्टं यजमानाद्वदि ॥
 क्रसकनया वेद ॥ ॐ श्री गुरु लक्ष्मी ॥ सिंधु लक्ष्मी ॥ ॐ वल्लभिनि
 ॥ ॐ नमो सिद्धि ॥ ॐ यारु लक्ष्मी ॥ ॐ अनुवेग ॥ ॐ नमो भूयः ॥
 ॐ मना कुति ॥ ॐ तिष्ठा ॥ ॐ यमो ॥ ॐ उमा सेवक पुत्रिका ॥
 न कंदवादिनाथ वृषहासनम् ॥ ॐ लक्ष्मी ॥ ॐ रुया क्रमा
 नो मृत्युं यं पुन मा मिनिर्त्त ॥ ॐ गंगादि ॥ ॐ नित्यं लक्ष्मी ॥

५ वृद्धवत्ताय २

धनवा क्रमक जायाय ॥ कनन केः साननन के ॥ ॐ यशु वंदाय
 हलदाज ॥ मया यं हृदय पुनस्य ॐ दमासननम यं नम ॥ ॐ
 नन्दिके श्वनाय ॥ ॐ श्री योया ॥ ॐ लक्ष्मी ॥ ॐ यदा दार्यवन्दन
 यद्वाय विस्तानविय ॥ धूयदाय ॐ गंगादि ॥ ॐ लक्ष्मी ॥ ॐ केवलं स्व
 वृष्टा क्रमया बाहान सविय नन्दिके श्वनाय ॐ श्री योया ॐ विय ॥ य
 धादास्यमान ॐ नमं कल्प सिद्धि लक्ष्मी ॐ गंगादि ॥ ॐ लक्ष्मी ॥

ॐ नमो कल्य म विदु म सु ॥ ॥ साकिय लघ या न स्नान विद्या ॥ ॥ नमि न सु
 ॥ मु नमि न सु ॥ ॐ सस्ति नामि माता ॥ ॐ कुलि कु द ॥ ॐ अष्टा सि नना ॥
 ॐ ऊ का ग ना ॥ ॐ सह न गी र्वा ॥ ॐ वि डा न ॥ ॐ नम स्ते ॥ ॐ वय स ॥ स
 स्ति न ॐ उ व धा ॥ ॐ वय य धि र्वा ॥ ॐ वि धि न या न म ॥ ॐ अग्नि द वा ॥
 ॐ श्री रु सा नि ॥ ॐ य र्व के ॥ क जा का न न के स क ल हि न न न के ॥ स्नान
 जा का क ल स स न य के क्रिया या क र्क या न ग य ॥ ॥ रखा पा व न म य मा म न

इय का व न य र्थ का दिन कि नी न क ल लं व थ य का व रु य के क ल स या द्वा
 व न स स्ति क स स द व न य ॥ ॐ अ न न म स्ति वा क य च न ॥ म या क नि र्म
 व न या य ॥ ॐ म ल स र का य का न ग म ल ॥ ॐ न का रु न व ल न रु न व व वी
 मि द रु न म्ब न ग म्ब लि ग मि य म्ब नि श्वा ऊ म मा ह्या नि व वान द म रु न
 म्ब न ग म्ब लि ग मि ऊ म्ब सु मा ना ऊ म सु मा ना नि व र्वा न द म रु न म्ब न ग
 म्ब लि ग मि ऊ म्ब स व न्धु स म स व न्धु नि व वान द म रु न म्ब न ग म्ब लि

ना मिठ भे म जा ना ठ म स जा ना नि व ळ ना हू र्था कि ना मि ॥ व न व नि स
क व ल ख व रु ल का व न या डि ॥ ज् श्र वा व द धि व कु य थ मा दे वा हि ष
क ॥ ७ ॥ ह ॥ स स वा ड रु य र्वा न्य जा उ क ना क मा वा ॥ ४ ॥ य वा मु व षा व
र क ल व ॥ य र्वा ल र्वा य ॥ ७ ॥ र्वा य र्वा द ला स न मा वा
हा यः व न न न र कः ॥ सान न व र कः ॥ द द उ व द स न ॥ ॥ र्वा का दिः
क्रिया या क र्वा न क ल ग्म दि क सान न न क ॥ ७ ॥ स र्वा क ल ग्म य म्

ह ॥ ज या य ॥ द मा न न न म ॥ ७ ॥ ज् श्र वा स मा दि ॥ ७ ॥ को मा नी म य वा स
न ॥ ७ ॥ स स न क र्वा ला या ॥ ७ ॥ ग ल य नि म र्वा य ॥ ७ ॥ य र्वा ग्म मा र्वा
॥ ७ ॥ व हि द्वा ल ग्म दि ॥ ७ ॥ य र्वा र्वा र्वा र्वा न सान न उ उ म का ध्रु व दी
व रु ल य र्वा ग्म र्वा ध्रु व दी य न र्वा दिः स क ल्य सि धि व मु ॥ क व ल
हा क व रु ल का व र्वा य क ॥ म लु ल या र क क द्वा र ल वा य क सान न
थ म न य क ॥ हा थ जा थ ल य य क ॥ ७ ॥ य ल य र्वा र्वा न ॥ ७ ॥ दे वा म्

दृष्टानां युगमपि च यने वल्लवे ४ कुमु मलिः ॥ अक्रो वे सु र्थ भाये ४
कुमु मरु लमु र्ग ॥ अष धा वा दि न ज्ञे को पे ४ दू ग क गि श म ल य
न न ल से दृष्टि मि दू न इ वाः पू ष्य ने व श धू ये ४ सु द्रु ल उ वि धि
न न न म य नू कु कु ॥ क ल श या ॥ अ न जा या ॥ वि धो श्व ना य वि न
य वि श्व नू वा य न न म ४ सर्व वि द्यु र्न द र्वः सर्व भू मि क र्से मू र्ह ॥
व निया ॥ नि ण न न्द य लं ग नः नि म्बु लं व नी ना म य म् ॥ थाम नि त य

लं मु र्गः ॥ ले ल वं य न मा म्बु र्ह ॥ अ अ स या ॥ न म म्बु क यि ल द वाः न म्बु
शु ल दू जि न ४ य वि र्ग सर्व दा धे रः दू जि र्ग व न मा म्बु र्ह ॥ स अ न या
॥ रि ल रि र्ग शु म्बु क र्वे वः र नु धा उ म्बु व र ॥ ग र्हा दि स र्व द वा नाः उ
न द र्व न मा म्बु र्ह ॥ को मा लि हा जा या न ॥ को मा वि म य ना कू टाः न क
जि व क वा र्नीः श क्ता क वि नु मु डा यः शु क्क श्व ना न मा मु र्ग ॥ द द
व लिया न ॥ का र्य काल न सर्व र्थाः अ ना लं य ल म श्व नी ॥ ले क्का स न

मिसोराग्यः दापि गीतानामाद्यर्हं॥ इत्यादि सायात॥ ॐ ह देवन
म ४३ हो कन देवनमानम ३॥ अन देवनमस्तु ह्यं कजा गने
पसा दमे॥ यथ वानत्यादि॥ अ ए गन्मादि॥ म लु ल स्वा द स्वा
नन द्रुवक॥ म लु ल वि ग द्रु न यावक॥ क्रिया या क क मि गमः
थ का दिनमन रुमा उ वी न लीया॥ सुगु नम दै का या कुन
लायः थ का दि ह्यं वाल क या द्रु वने न या व कायक॥ हा स्वीका

८५॥ थ ना॥ यान न व क॥ प्र वान द्रु वक॥ मं द्रु लिजा पय क
॥ यं द्रु दं ग या ला थ न वाल क या कृ थु म थियक॥ वि द॥ ॐ ॐ
भा नाम ४ म लि कम थ मा स ४ स ४ मु न ल मा दि ह्यं मा ७७
सा शि मि सा ऊ न के य दा वि वृ दि वृ ल्मा ला॥ ॥ मि य मि न न
लाय॥ अ गन मा ल का न या व॥ रु लया गन याव क॥ दाया ल
क र्क ल क य म न न लि क्काल॥ वि द॥ ॐ या रु लि नी॥ म सा द के

नकेतुनमुले॥ नासिखकाव आग नगया व कल कवाव कल द्या
या॥ का लहमा न ले दगा यावय नि ले दगा दिव का व॥ जाहानला
। द्वा वन वृवा कू उ वि नया त जाहाना॥ अ कर्म गल थया थ
। दे व का व क रियं वास वृवा क कू उ वि या उ व या व न य न म
। 6 न न ल न य के॥ आग म मान को नया व॥ अ नया ग घृया
धे र का व म ग व वा ना व य पु अ स न के॥ ५॥ म नु । ३५

य सा हा ह मि॥ व द । ३५ अ न य न मि॥ ३५ ह मि न मि मा ना व ८० न
ग द की म के॥ ला वी जा व न य व क या दा व न के॥ ३५ ॥ ध लि व डि
मू ल इ इ का या द न य के॥ ना सी व के॥ आ ग न द्यो य आ ग न
। व ना सिया सु नि क लं द वा व के न द्यो या॥ व य जा मा म न यु सु
य मा न न य के ल द्या य॥ य वा द द न का यि व॥ य वा क क कृ खो या न
न य य ना म डे द्यो या या न न य के कृ खो म या न सा म माल॥ क ल

मदिवा झमदिदं न विवक ॥ गायतक नयक ॥ वास
वपुजा वा निस कलमं विवक ॥ कनन के ॥ सुलिमना सर्व
नयाव वा वन कलम सतय ॥ उनलाख कवि नुलु गुलिजवला
वकाव का राय के काय शल सा थ ॥ अत्र शल सा य वला य
कलुलु गु वि का राय के ॥ कलम ल खन रु हि र्थक ॥ उदवम्य ला
॥ वन ॥ उ यद द क ॥ सि धला उ लं य वि क दा ॥ सुयु ॥ उ द वि का दा

आशा र्वा द ॥ सुलु ल मि यु मि ला ॥ वावक थ साल वन न र व
क माल ॥ ईखा र्थि रग ॥ म अ म सा या क विवक ल दाय ॥ की मा
वा पुजा वु य वा व क र्थि न य ने ॥ साल लं क जा रु नि नि थ
व म व मि नि माल लं क जा रु नि नि थ ॥ ल क व य
व कल श म य मि नि नि थ ॥ की मा ल य ओ रु स का य
कल श म य मि नि नि थ ॥ म न वाल क या व व न यु र्थ

॥ ४॥ शिवाय नमः ॥

॥ ३ ॥

यजुमात्र

नगा वा मी रवाँ
दकल श्म चनेत ॥ वा विरथ कलश चनेयाय ॥ मृगु दस ॥
ॐ अश्वस्तु वा निषदनं ॐ अश्वस्तु वा दसनि कृणा ॥ २॥ गङ्गा ॥ ३॥ ॐ किल्ला
सुथ यन्मम वेथ पूत्रवै ॥ वलिमि आदिन ॥ ॐ हिम श्वगर्भ ॥ ४॥ ममवर्कगा
ॐ रुग्णशुजाग ॥ ४॥ यमिन्नक आमीन ॥ मदाधनपृथिवी न्यामृगमा
ॐ सो देव यद्द विषा विधेम ॥ श्रीगुलिया ॥ ॐ यविश्वस्तु वैवृथास

विशुद्ध ४५ सवर्द्धन्यु नाम्यच्छिदल यविश्वस्तु र्यस्य वज्रिहि ॥
कृष्णवाया ॥ ॐ वय ॥ ४॥ ममवर्कगा ॥ वमनस्तु नृषु विभुत ॥ ४॥ यजावन्
४॥ मवमहि ॥ तल्लु मल्लुलया ॥ ॐ कान्तमसि विनृदि दवान्या एयः
लो दाना यत्ना गाना यत्ना ॥ दीद्या वनृयसि निनाय वधं दवाव ४
सविगा हिम श्ववादि ४५ निगृ ग्ना तच्छिदल या विनाय द्रुषत्वाः
महीनाम्ययासि ॥ ॐ मानस्तु कर्कन यमान आ

यु विमाना ८ गम
विदुषान् ४ म द
वा द्वा म द ॥ ८ गम य या ॥ १० वृ ह स्य न च्छु दि
व सि या य ना मा म न १० दि न उ सा ज स सा मा म न च्छु दि ॥ वा क रु वि
या ॥ १० नि व र्क या म्पा य श्रु ता श्रा य य उ न ना य ना य म्पा वा य सु य ज
य म्पा य सु वी र्था य ॥ स्वा न वा या ॥ १० ल म (अ युरि म्पा श्रु मु द्ध वि
ल म्पा य सु म न म्पा न स्य नि १० ल म्पा य सु न श्रु मा व धा श्रु ल्प न नी न
य न उ या य न श्रु वि १० म्पा य ॥ १० ॥ म्पा क ल नी ड ८ थ न वि ८ ग म ४

॥ य थ क म्पा म्पा ला सा च द्वा व स्र मि क म्पा म्पा द्वा ॥ निर्मा च्छु न व लि ॥
ले ख न द्वा य ॥ म न र्द ना ठ वा म्पा य सु ल म्पा द्वा य व व म्पा वा क रु वि नी
न थ न ला य ॥ व लु म्पा ल म्पा न ॥ डाल मि यि ला ग इ मि वि मि ॥ व ली ग
न क्का ग वा ल्प श्रु ति ॥ ल्प स्वा न ॥ ल्प म्पा ॥ थ न ला य ॥ य वा लि मि म्पा न ॥ १०
म य ॥ थ न द्वा य ॥ व लु म्पा ल म्पा न ॥ डाल मि यि ला र्वा मि ॥ इ मि व मि ॥ व न
ग न ॥ क्का ग वा ॥ ल्प श्रु ति ॥ ल्प स्वा ल ॥ ल्प म्पा ॥ थ न न ला य ॥ म्पा य द्वा ज ॥
या य ॥ १० मा ठ ला य १० द मा म्पा न न म्पा ॥ द्वा म्पा य च न न ॥ य द्वा य वी न ॥ य द्वा

धूय दी य

लव वालि

हं दी घायु म्हा

वटवृक्ष रुव लूव दान

भवव ॥ सुवर्णमुद्रिका मन्त्राय नमः ॥ जिह्वा मन्त्राय नमः ॥ उक्तं विष्णु न ॥ ॥

या यथा वेद ॥ हं उक्तं ध्याय स्वस्ति विनो मे न ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥

न न ॥ हं म्हा न दिवा ॥ अत्र निम्न विद्या न न मन्त्र ॥ अत्र निम्न विद्या न न मन्त्र ॥

१८ सम्प्राप्तमिति धिक् नानामास न यावत् न न दवा ॥ १८ ॥ र्थकादिस्त

न ॥ म्हा न रवा ल का य ॥ मन्त्र ॥ हं जिवा नामा सि स्वस्ति निम्न धिगान

मन्त्र ॥ अत्र निम्न विद्या न न मन्त्र ॥ अत्र निम्न विद्या न न मन्त्र ॥

म्हा न रवा ल का य ॥ मन्त्र ॥ हं जिवा नामा सि स्वस्ति निम्न धिगान

मन्त्र ॥ अत्र निम्न विद्या न न मन्त्र ॥ अत्र निम्न विद्या न न मन्त्र ॥

म्हा न रवा ल का य ॥ मन्त्र ॥ हं जिवा नामा सि स्वस्ति निम्न धिगान

मन्त्र ॥ अत्र निम्न विद्या न न मन्त्र ॥ अत्र निम्न विद्या न न मन्त्र ॥

खवर्सी वालिवनद मधुसूदनं त्रिनेत्रं ॥ १ ॥ नडुखालः
विय॥ लाधयूजायाकावदक्षिणविय॥ ॐ शुक्रयन्त्रविविध॥ ॥
विंगयैकावजिखावाहि काखाचक॥ चन्द्रमधुलसुनिनीनरुय
क॥ ॥ मयानलुसुलुन क्रमसाधियामरु॥ ॐ रुद्रैक (६) रिश
नूयामदवा रुद्रैम्य (१) मा रुद्रियैजवा ४ रिशैव (२) सुसुवा ० स
सुनू रिश (१) सदिदवदिनेयदा ४॥ नडुनखनक॥ मं खासुवा
यक्रकाय॥ धविवा नयावा॥ वालिभाउद्रुयकावदय॥ वसुवि

पद्मवया धयसुनयावा॥ ॐ वसायविग्रममिशनधर्जवभा
यविग्रममिसुद्रुमधर्ज॥ देवमूलासुविगायुनाउवसायविग्रममिशनः
धर्जसुयाकामधुद्रुशावमु॥ जाक्रुद्रिनीवालियाभाउसुद्रुका
या॥ वेद॥ ॐ वृद्रुस्यनेचुदिनमिर्वयानामामं नर्द्धदि॥ नउमाजसुभामा
मं नर्द्धदि॥ ॥ कलशमदियूजावालियागंदक्षिणवियक॥ वाचनकाय॥
वगः मिथ्या॥ सगुधभाशावादी॥ विया॥ र्थसालवनननेचक॥ भाउसुशी
खगुनक्रना॥ सुद्रुनलुया॥ शानगियनिष्ठा॥ ईशार्थिखाएभयसुद्रुय

॥ कोमा नी पूजा क्काय ॥ वालक विनयने स्नान न न्न के ॥ इहा वया व कल
श्रदि जायय के ॥ सुशुभ विय के ॥ लिहा वलदा व कोमा नी या आ वृम
काय ॥ ॥ ॐ निवृत्ता कर्तु कर्तु रुद विषि ममाय ॥ ॥ ॥
संशायया ॥ यजमान म्मा वध के जर्वे धन सिन्दु वा बाहन वा कु ॥ विंथ
कल ज पूजा याय ॥ सुशुभ म्मा ॥ ॐ रु रु व ४ म्मा ४ य जा रि ४ म्मा ६ म्मा
जावी रे सुधा वया वे ॥ इ म्मि न ॥ ॐ जू श्व न्नु वा नि वदन म्मा ६ वा वि
सुनि कुना ॥ ॐ न्ना ज १ ॐ नि ला म्मा थ य न्ना म्मा व थ य न्ना व ॥ गगनया ॥

ॐ य विग्र ४ ॥ रु ग वा या ॥ ॐ व रु रु नी ॥ लूं सं व ना या ॥ अहा के क
यिया ॥ ॐ दी र्घा य म्मा ॥ ॐ व म्मा ४ य विग्र म्मा ॥ म्मा लै द या ॥ ॐ लूं य
वि रु दा ॥ मि धु म्मा द या ॥ ॥ य थ क म्मा व न म्मा ॥ ला म्मा ला व द या ॥ नि
मि रु न व लि ॥ लै र व द या ॥ कल श्रदि स्नान न न्न के ॥ म्मा व ॥ मग रुं गा
त वा म्मा लै द म्मा जा व न ला या ॥ ॥ थं का दि म्मा रु मि व ना ॥ म्मा
वा ॥ ॐ दी र्घा य म्मा ॥ सा य दान द न्न क रु यि अहा के क यिन या य
॥ क श व न्म न म्मा रु म्मा रु म्मा ॥ म्मा या ॥ इ वी व न ॥ रु रु व ४ म्मा ४ व री व न नः

ॐ श्री अरु वा ॥ क क न कान यिने ॥ ॐ व द्वा दर्श ॥ यान कान यिने ॥
 ने ॥ न क दो न या य ॥ म म न ॥ ॐ दि न व ग र्द ॥ ल म य नान ॥
 ॐ म मि द्वा अरु न क द न म नी नी य न म ल म म म य ल न म न वा की
 व द्वा ॥ ज न ज न व द्वा द वा नी व द्वा यि य मा स ध म् ॥ अरु न स लान ॥ म
 याले द या स द्वा य ॥ ॐ व मा ध य वि व म मि ॥ मि ल्प म द न द्वा य ॥ मि ल्प अ
 ग न न या व ॥ मि ल्प द्वा य ॥ ॐ ॥ ॐ ल्प य वि ल्प द्वा ॥ मि द्वा व शि व श म क य
 म मि दी र्घ जी व नी ॥ ध न म न्कान का मा यः व द्वा म म द्वा बा य व ॥ मि ल्प

म द्वा द्वा य ॥ ॥ द द्वा म वि य क ॥ क ल ग म दि स गु ण शी वी द ॥ म द्वा
 अ न नि य नि षा ॥ इ र्वा र्पि र्वा ॥ की मा नी पृ ज द्वा य ॥ सूर्य म्क सान
 न नै के ॥ धं द्वा व ल द्वा व क ल ग म दि जी व य क ॥ ॐ वि मा द्वा य क वि
 म्पि द्वा म्पु ल वि य व न व ड मि ग न न म क ल द्वा य क ॥ की मा नी स म
 य व य न यि व का व म्पि याल ल ल म च क ॥ ॥ ॥
 ॐ मि क म व ध न वि वि म्पि मा य ॥ ॥

१ गंगा नाम कवली ॥ न कल कल गङ्गा न विधि र्थ याया ॥ वा ॥ यजामां नमना माव
व ॥ गङ्गादि ॥ कल गङ्गा अउ कुनिर्म गङ्गा लङ्ग नव ॥ वली गङ्गा लङ्ग नव ॥ यव गङ्गा
गङ्गा वन्दन नव नव गङ्गा जगत् कङ्गा नाम याया ॥ स गङ्गा सङ्गा गङ्गा लङ्गा यविर्वद सङ्गा
वन्दन ॥ गङ्गा वन्दन नव नव गङ्गा ॥ जगत् कङ्गा अउ लङ्गा ला स गङ्गा सङ्गा ॥ कोमा वी उजामा
मावा ॥ वलि ॥ गङ्गा उजा ॥ गङ्गा ग्राम दद वलि वाकिने गङ्गा ॥ मृयादिवा ॥ इकि ॥ वरी गङ्गा
वमावा ॥ ॥ नाम यावद ॥ ॐ ॐ देवि वृ ॥ यवस ॥ ॐ गङ्गा ॥ इकि ॥ ॐ दार्घ्य वृत्ता ॥

ॐ अम्बु म्बु निषउनी यरुवा वस गिह गङ्गा लाङ्गा नै ॐ किनास थय द्ध नव थयो व
री ॥ वरी गङ्गा मालया ॥ दद वलिया ॥ ॐ अङ्क कर्म ॥ ॥ विधि र्थ याया ॥ म्बु गङ्गा
र्य नै धनक ॥ ॥ वनी यथा कर्म ॥ वालुकामामन वयका वली खवा थया वलासा
लङ्गा यावा ॥ स्वस्तिक र्म ॥ निर्म द्ध न ॥ कल गङ्गा खान गङ्गा नक ॥ म्बु धुनक ॥ मङ्गा द्ध न
उवान लाया ॥ स गङ्गा दद द्ध र्म नै लाया ॥ दद गङ्गा यालि न दद वके ॥ आ गङ्गा दि ॥
धल गङ्गा गङ्गा लङ्गा मिउ नङ्गा नसा उव द्ध सस ॥ मि साङ्गा नसा खङ्गा द्ध सस ॥ यो न सनामक
नै ॥ थवरी र्म ॥ र्म ॥ यवस यके ॥ यव ग्राम ॥ ॐ यालय लाङ्गा ॥ ॐ कल कल य

वाङ्मलादि कललादि दक्षिणवियके ॥ अति धका ॥ वन्दनादि आर्णादि ॥ वात्रि ॥ नयाव
 न्ननननेवके ॥ वात्रियाती ॥ तुं यतु वाना ॥ स र्द आत्रि ॥ अति छा ॥ इकि छा य कललादि
 वाङ्मलादि ॥ ईखायिखा छा य ॥ ददन दाडा दाडा वाव क की नयने ॥ काय अवसा दान
 या अवसा ॥ आ व अवसा ख वसा ॥ व र्ग गत माल ॥ २२ ॥ दं दाडा छा य ॥ दा क विय ॥ मूर्ध
 खिखानननेके ॥ वाव क खान दा नाडा मूर्ध खिने ॥ लिख डाय ड क व गीदि जायेयके
 ददन वलिने ल दाडा वने माल ॥ वालक डा डा निगडा डने मान ॥ तुं तिनाम क व
 लविधिसमाक ॥ ॥ ॥

एतत्तु वृद्धि या ॥ विधिर्य कलला चैन याया वाङ्म ॥ उजमानस्य वर्ष वर्धनवर्द्ध
 मर्ध कलला चैनति ॥ विधिर्य कलला चैन याया ॥ यहा चैन याया ॥ कलया
 दवने ॥ ॥ स गुण स रजा वि ॥ ॥ उत कया ॥ तुं ना अत्य ॥ तुं सक मृषया ॥ तुं
 पुनत्वा ॥ ॥ दा कया ॥ तुं दाया यत्वा ॥ प्रममटया ॥ तुं मा कानमिदु ॥ धविहल
 कया ॥ तुं दधिका यी ॥ उत कवजि या ॥ तुं अन्नयने ॥ धतिवृद्धि या वि ॥ ॥
 धूय दीय जाय सा ॥ कललाया ग्रह या आदिन धूनके ॥ वाङ्मलरु उनी ॥ लानि
 कय ॥ १७ ॥ लानि के ग्रह नने ॥ धृष्टिक यजामानया ॥ यथा कर्मण वृनिदक